अर्थशास्त्र
कक्षा–11

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

खण्ड–क सांख्यिकी : <u>अर्थशास्त्र के संदर्भ में</u>

इकाई–4 सह सम्बन्ध

इकाई–5 सूचकांक

इकाई–7 <u>भारतीय अर्थव्यवस्था के समक्ष वर्तमान चुनौतियाँ</u>

2– वैकल्पिक खेती– जैविक खेती।

3– भारत में शिक्षा के क्षेत्र का विकास।

5– आधारिक संरचना : ऊर्जा एवं स्वास्थ्य

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

5–कक्षा–11 अर्थशास्त्र

केवल प्रश्न पत्र न्यूनतम उत्तीर्णांक–33 **पूर्णांक : 100**

<u>खण्ड–क</u>

सांख्यिकी : <u>अर्थशास्त्र के संदर्भ में</u>

(1) परिचय। 10 अंक

(2) आंकड़ों का संग्रहण, व्यवस्थीकरण एवं उनका प्रस्तुतिकरण। 25 अंक

(3) सांख्यकीय उपकरण एवं उनका अर्थ। 15 अंक

<u>खण्ड–ख – भारत का आर्थिक विकास</u>

(6) विकास के अनुभव (1947–1990) एवं 1991 से प्रारम्भ हुये आर्थिक सुधार। 17 अंक

(7) भारतीय अर्थव्यवस्था के समक्ष वर्तमान चुनौतियाँ। 25 अंक

(8) भारत का अपना विकास का अनुभव–पड़ोसी देशों से तुलना। 08 अंक

<u>खण्ड–क – सांख्यकी : अर्थव्यवस्था के सन्दर्भ में</u>

इकाई–1 (1) अर्थशास्त्र क्या है? 10 अंक

(2) अर्थशास्त्र की परिभाषा, उसकी सम्भावनायें, कार्य एवं अर्थशास्त्र में सांख्यकी का महत्व।

इकाई–2 आंकड़ों का संग्रहण, व्यवस्थीकरण एवं प्रस्तुतिकरण 25 अंक

(1) आंकड़ों का संग्रहण– आंकड़ों का स्रोत–प्रारम्भिक एवं द्वितियक आंकड़े। आधारभूत आंकड़ा किस प्रकार से एकत्र किया जाता है। निदर्शन (Sampling) का सिद्धान्त। निदर्शन एवं गैर निदर्शन त्रुटियां, विनिमय आंकड़ों के कुछ महत्वपूर्ण स्रोत। भारत की जनगणना एवं राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन। National Sample Survey Organisation.

(2) आंकड़ों का व्यवस्थीकरण – परिवर्तनशीलता का अर्थ एवं उनके प्रकार, बारंबारता बंटन।

(3) आंकड़ों का प्रस्तुतिकरण – आंकड़ों का तालिकावार एवं आरेखीय प्रस्तुतिकरण (1) ज्यामितीय प्रकार–दंड आरेख, वृत्त चित्र (2) आवृत्ति आरेख – आयत चित्र (Histogram) बहुभुज (Polygram) एवं चाप विकर्ण (Ogive) (3) समय–श्रेणीक्रम – लेखा चित्र (Time- Series graph)

इकाई–3 <u>सांख्यकीय उपकरण एवं उनके अर्थ</u> **15 अंक**

केन्द्रीय प्रवृत्ति के मापन, माध्य (सरल और भारित) माध्यक एवं बहुलक।

<u>खण्ड–ख</u>

<u>भारत का आर्थिक विकास</u>

इकाई–6 <u>विकास के अनुभव(1947–1990)एवं आर्थिक सुधार वर्ष 1991 से</u> **07 अंक**

- स्वतंत्रता प्राप्ति की संध्या पर भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति का संक्षिप्त परिचय। पंचव-र्षीय योजनाओं के सामान्य लक्ष्य

2- कृषि की प्रमुख विशे-तायें, समस्यायें एवं नीतियां।

(ढाँचागत पक्ष एवं कृषि से संबंधित नवीन रणनीतियाँ आदि) उद्योग (औद्योगिक लाईसेन्स आदि) एवं विदेश व्यापार

1991 से आर्थिक सुधार

आवश्यकता एवं इसकी प्रमुख विशेषतायें- उदारीकरण, वैश्वीकरण एवं निजीकरण।

उदारीकरण, वैश्वीकरण एवं निजीकरण नीति का मूल्याँकन।

इकाई-7 भारतीय अर्थव्यवस्था के समक्ष वर्तमान चुनौतियाँ **25 अंक**

1- गरीबी - पूर्ण एवं उसके सापेक्ष, गरीबी उन्मूलन के मुख्य कार्यक्रम- उनका आलोचनात्मक विश्लेषण।

2- ग्रामीण विकास - मुख्य बिन्दु-साख एवं विपणन-सहकारी समितियाँ, कृषि विविधता, 3- मानव पूंजी, उसका निर्माण- किस प्रकार से व्यक्ति साधन बन सकते हैं। आर्थिक विकास में मानव पूँजी की भूमिका, भारत में शिक्षा के क्षेत्र का विकास।

3- मानव पूंजी उसका निर्माण किस प्रकार से व्यक्ति साधन बन सकते हैं। आर्थिक विकास में मानव पूंजी की भूमिका।

4- रोजगार- औपचारिक एवं गैर औपचारिक, वृद्धि एवं अन्य मुद्दे- समस्यायें एवं नीतियाँ - एक आलोचनात्मक विश्लेषण।

5- आधारिक संरचना : अर्थ एवं प्रकार, मामले का अध्ययन, समस्यायें एवं नीतियाँ : एक आलोचनात्मक विश्लेषण।

6- वहनीय आर्थिक विकास- अर्थ, आर्थिक विकास का संसाधनों एवं पर्यावरण पर प्रभाव जिसमें ग्लोबल वार्मिंग भी सम्मिलित है।

इकाई-8 भारत का विकास का अनुभव **18 अंक**

1- पड़ोसी देशों से तुलना

2- भारत एवं पाकिस्तान

3- भारत एवं चीन

मुद्दे - विकास, जनसंख्या, क्षेत्रवार विकास एंव अन्य विकास के संकेतक।